आईसीसी ने लार्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक बताया नकारात्मक अंक भी दिये

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लंदन के प्रतिष्ठित लार्ड्स क्रिकेट मैदान के अलावा लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक करार दिया है। इसके साथ ही इन दोनों को नकारात्मक अंक भी दिये हैं। आईसीसी ने इन स्टेडियमों की पिच और आउटफील्ड को मानिटरिंग प्रक्रिया के तहत एक-एक नकारात्मक अंक भी दिया है। आईसीसी ने ये कदम मैच रेफरी एंडी पाइक्राफ्ट (लार्ड्स) और ग्रीम ला ब्रूय (गद्दाफी स्टेडियम) से मिली रिपोर्टों के बाद उठाया है।

इन रिपोर्टों में मैच अधिकारियों और दोनों टीमों के कप्तानों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर पिच की गुणवत्ता को निचले दर्जे का बताया है। लार्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के अलाव लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और आस्ट्रेलिया के बीच हुए तीसरे एकदिवसीय मैच की पिचों को इस्तेमाल की गई पिचें बताया गया है।

लार्ड्स की पिच पर गेंदबाजों को अत्यधिक सहायता मिली। यहां गेंद में असामान्य उछाल और जरुरत से ज्यादा सीम मूवमेंट दिख। मैच रेफरी पाइक्राफ्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कई गेंदें अपेक्षा से अधिक नीची रह रही थीं, जिससे बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी हो गयी। उन्होंने कहा, पूरे टेस्ट में बहुत ज्यादा सीम मूवमेंट था और कई अवसरों पर गेंद बहुत नीचे भी रही।

पूरी दिन पिच में बदलाव दिखे। पहले दिन जहां 16 विकेट वहीं दूसरे दिन 17 विकेट गिरे। इससे गेंद और बल्ले के बीच का संतुलन खराब हुआ।। इस मैच के शुरुआती दो दिनों में ही 33 विकेट गिर गए थे, जिनमें से अधिकांश विकेट बोल्ड या एलबीडब्ल्यू के रूप में गिरे थे, जो पिच के असंतुलित होने का स्पष्ट संकेत था। वहीं इसी प्रकार लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को भी एकदिवसीय मैच के लिए सही नहीं पाया गया। मैच रेफरी ग्रीम ला ब्रूय ने अपनी रिपोर्ट में कह कि पिच बहुत धीमी और नीची थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बेहद कठिन हो गया था।

उन्होंने कहा, पिच धीमी और नीची थी और रन बनाना बहुत मुश्किल था। इस प्रकार यह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए सही नहीं थी। इन मुकाबलों में आकर्षण नहीं था जिससे दर्शक भी निराशा हुए। अब यदि यदि इन स्टेडियमों की पिचों को अगले पांच साल के अंदर और नकारात्मक अंक मिलते हैं तो ये उन पर अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी नहीं कर पायेंगी।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेल 2026 के लिए पाकिस्तानी टीम घोषित, साहिबज़ादा फरहान बने कप्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने जापान के आइची-नागोया में सितंबर-अक्टूबर 2026 में होने वाले एशियाई खेलों के लिए पुरुष क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज़ साहिबज़ादा फरहान को सौंपी गई है, जबकि अब्दुल समद को उपकप्तान बनाया गया है। साहिबज़ादा फरहान अब तक पाकिस्तान के लिए 46 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं, लेकिन पहली बार उन्हें किसी सीमित ओवर प्रारूप में टीम की कप्तानी मिली है। घोषित 15 सदस्यीय टीम में चार ऐसे खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है जिन्होंने अभी तक पाकिस्तान के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण नहीं किया है। इनमें आकिफ जावेद, अली रज़ा, माज़ सादाकत और साद मसूद शामिल हैं। विकेटकीपर की जिम्मेदारी उस्मान खान को दी गई है। इस बार पाकिस्तान ने अपेक्षाकृत नई टीम चुनी है। हाल ही में टी20 विश्व कप खेलने वाले कई बड़े खिलाड़ियों को इस टीम में जगह नहीं मिली है। नियमित कप्तान सलमान अली आगा, तथा प्रमुख खिलाड़ी बाबर आज़म, शाहीन अफरीदी और शादाब खान चयन से बाहर हैं। घोषित टीम के 15 में से 14 खिलाड़ी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के सीमित ओवर शिविर का हिस्सा हैं, जिसकी शुरुआत 15 जून से लाहौर में होगी। एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर से शुरू होगी, जबकि पदक मुकाबले 3 अक्टूबर को खेले जाएंगे। गौरतलब है कि क्रिकेट अब तक एशियाई खेलों में तीन बार शामिल किया जा चुका है — 2010, 2014 और 2022 संस्करण में। पाकिस्तान पिछली बार चौथे स्थान पर रहा था। एशियाई खेल 2026 के लिए पाकिस्तान टीम: साहिबज़ादा फरहान (कप्तान), अब्दुल समद (उपकप्तान), अबरार अहमद, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद, अली रज़ा, अराफात मिन्हास, हैदर अली, हसन नवाज़, माज़ सादाकत, मोहम्मद सलमान मिर्ज़ा, साद मसूद, सैम अयूब, सूफियान मुकीम और उस्मान खान (विकेटकीपर)।

विश्व कप से पहले अंतिम अभ्यास मैच में अर्जेंटीना ने आइसलैंड को 3-0 से हराया

आबर्न। मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने विश्व कप से पहले अपने अंतिम अभ्यास मुकाबले में बुधवार को आइसलैंड को 3-0 से हराकर दमदार तैयारी का संकेत दिया। अमेरिका के अलबामा राज्य के आबर्न स्थित जार्डन-हेयर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में लियोनेल मेसी ने बेंच से उतरकर पेनल्टी पर गोल दागा और टीम की जीत को यादगार बना दिया। अर्जेंटीना ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। मैच के पहले दस मिनट के भीतर वेलेंटिन बार्को ने शानदार गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में लगभग 20 मिनट शेष रहते लियोनेल मेसी मैदान पर उतरे। कुछ ही मिनट बाद अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली, जब लाउतारो मार्टिनेज़ को बाक्स के अंदर फाउल किया गया। मेसी ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए गेंद को जाल में पहुंचा दिया। यह गोल मेसी के लिए खास रहा क्योंकि वर्ष 2018 के विश्व कप में आइसलैंड के खिलाफ ही वह पेनल्टी चूक गए थे। इस बार उन्होंने उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गोल कर पुरानी याद को पीछे छोड़ दिया। अर्जेंटीना ने मैच के अंतिम चरण में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। 86वें मिनट में थियागो अल्मादा ने रोड्रिगो डी पाल के शानदार पास पर गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। पूरे मुकाबले में अर्जेंटीना ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और आइसलैंड को वापसी का मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ टीम ने विश्व कप अभियान से पहले अपना आत्मविश्वास बढ़ाया।

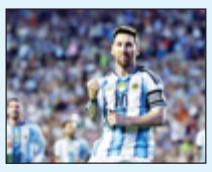

श्रेयस को कप्तानी मिलने से उत्साहित पिता अपने दोस्तों के साथ नाचते दिखे

बेंगलुरु। श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 क्रिकेट टीम का नया कप्तान बनाये जाने के बाद से ही उनके परिवार में जश्न का माहौल है। इस खुशी के अवसर भी उनके पिता भी अपने दोस्तों के साथ नाचते गाते दिखे। बेटे श्रेयस को भारतीय टी20 टीम की कप्तानी सौंपे जाने की खबर मिलते ही संतोष की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और वह अपने दोस्तों के साथ झूमते दिखे। इस खुशनुमा पल का एक वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर आया है। श्रेयस को सूर्यकुमार यादव की जगह पर भारतीय टी20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार को लंबे समय से खराब फार्म के कारण टीम में जगह नहीं मिली है। कप्तानी मिलना श्रेयस के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने दो साल पहले दिसंबर 2023 में अपना अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था, जिसके बाद से ही यह वापसी पर कप्तानी मिलना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। श्रेयस के पिता के वायरल वीडियो पर क्रिकेट प्रशंसकों की भावुक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। एक प्रशंसक ने टिप्पणी की कि एक पिता के लिए दुनिया में इससे बड़ी कोई ट्राफी नहीं हो सकती कि उसका बेटा टीम इंडिया की कप्तानी करे।

मोरक्को में कोच्चर और भुल्लर की अगुवाई में उतरेगा 10 सदस्यीय भारतीय दल

रबात (मोरक्को)

भारतीय गोल्फ खिलाड़ियों का 10 सदस्यीय दल इस सप्ताह मोरक्को में होने वाले प्रतिष्ठित इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। दो मिलियन अमेरिकी डालर की इनामी राशि वाले इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों से मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

भारतीय दल की अगुवाई शानदार फार्म में चल रहे करनदीप कोच्चर और अनुभवी खिलाड़ी गगनजीत भुल्लर कर रहे हैं। इनके साथ भारत के दिग्गज गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी भी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। भारतीय टीम में आर्यन रूपा आनंद, उदयन माने, एसएसपी चौरसिया, राशिद खान, शौर्य भट्टाचार्य, अजीतेश संधू और शुभम जगलान भी शामिल हैं। 26 वर्षीय करनदीप कोच्चर इस समय शानदार लय में हैं। इस सत्र में एशियाई टूर के केवल पांच मुकाबलों में उन्होंने तीन बार शीर्ष-10 में जगह बनाई है। हाल ही में आयोजित एएम ग्रीन आईजीपीएल भारत क्लासिक में उन्होंने संयुक्त नौवां स्थान हासिल किया था। इससे पहले वह इंटरनेशनल सीरीज़ जापान में संयुक्त पांचवें और फिलीपींस गोल्फ चैम्पियनशिप में चौथे स्थान पर रहे थे। पिछले वर्ष उन्होंने मिस्र गोल्फ सीरीज़ रेड सी ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। कोच्चर ने कहा कि इस वर्ष उनका खेल लगातार बेहतर रहा है और वह अपनी लय से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, मैं इस साल काफी अच्छा खेल रहा हूं। पांच प्रतियोगिताओं में तीन बार शीर्ष-10 में पहुंचना आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। जिन टूर्नामेंटों में परिणाम उम्मीद के अनुसार नहीं रहे, वहां भी मेरा खेल मजबूत रहा। पिछले तीन सप्ताह से मोरक्को में लगातार प्रतियोगिताएं खेलने के कारण शारीरिक थकान महसूस होने की बात स्वीकार करते हुए कोच्चर ने कहा कि यह टूर्नामेंट उनके करियर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, मजागान बीच गोल्फ कोर्स पर तेज हवा में खेलना काफी चुनौतीपूर्ण रहा। थोड़ी थकान महसूस हो रही है लेकिन मैं खुद को याद दिला रहा हूँ कि यह प्रतियोगिता जीवन बदलने वाली साबित हो सकती है। इसके बाद लंबा विश्राम मिलेगा, इसलिए अभी पूरी ताकत झोंकना जरूरी है। कोच्चर ने भारतीय गोल्फ प्रीमियर लीग और एशियाई टूर की साझेदारी की भी सराहना की। उन्होंने कहा, भारतीय गोल्फ में काफी प्रतिभा है। इस साझेदारी से खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिला है। शीर्ष भारतीय खिलाड़ी के रूप में प्रदर्शन करना मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने मुस्कुराते हुए बताया, आज हमने अभ्यास के दौरान सात होल का एक छोटा मुकाबला भी खेला। मैं और आर्यन, अनिर्बान और शौर्य के खिलाफ खेल रहे थे। आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर हमने मैच बराबर कर लिया। कोच्चर ने आगे कहा कि लाहिड़ी जैसे खिलाड़ी के साथ रहना युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा, अनिर्बान के पास पीजीए टूर और वैश्विक गोल्फ का विशाल अनुभव है। उनके साथ समय बिताकर बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अभी वैश्विक गोल्फ में वही भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और हम सभी उनके साथ खेलकर खुश हैं।

मुंबई टी20 लीग : सूर्यकुमार की कप्तानी वाली ट्रायम्फ्स नाइट्स बाहर हुई

मुंबई। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली ट्रायम्फ्स नाइट्स मुंबई टी20 लीग से बाहर हो गयी है। सूर्यकुमार के लिए ये दोहरा झटका है। भारतीय टी20 टीम की कप्तानी से बाहर होने के बाद अब उनकी टीम को मुंबई टी20 लीग में भी हार मिली है। सूर्या की टीम को अपने अंतिम मैच में ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स ने 24 रनों से हरा दिया। इस मैच में 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रायम्फ्स नाइट्स 18.5 ओवर में केवल 148 रन ही बना सकी। कप्तान सूर्यकुमार एक बार फिर रन बनाने में विफल रहे। वह 16 गेंदों पर केवल 20 रन ही बना पाये। ट्रायम्फ्स की ओर से अखिल हेरवाडकर और परीक्षित वलसांगकर ने 33-33 रन जबकि नूतन कुमार गोयल ने 19 रन बनाये। इससे पहले, टास जीतकर सूर्यकुमार ने ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स को बल्लेबाजी के लिए बुलाय। ईगल के साईराज पाटिल ने 46 गेंदों में पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से शानदार 69 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर शाश्वत जगताप ने 10 गेंदों में तेजी से29 रन बनाकर अपनी टीम को 172/8 रनों तक पहुंचाया। इस हार के साथ ही ट्रायम्फ्स नाइट्स लीग में पांच मैचों में से केवल एक ही जीत पाई और आठ टीमों की तालिका में सातवें स्थान पर रही, जिसके कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं, भारतीय टी20 टीम में सूर्यकुमार की जगह कप्तानी संभालने वाले श्रेयस अय्यर की टीम को भी आकाश टाइगर्स एमडब्ल्यूएस से हार का सामना करना पड़ा है। मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की कप्तानी कर रहे श्रेयस भी मैच में 10 रन बना पाये। पहले बल्लेबाजी करते हुए आकाश टाइगर्स ने अजीत यादव 57 और जय गोकुल बिस्टा के 68 रनों की सहायता से 5 विकेट पर 227 रन बनाये। वहीं इसके बाद लक्ष्य का पीछ करते हुए फाल्कन्स 17.5 ओवर में 161 रनों पर सिमट गयी। इस हार के बाद भी सोबो मुंबई फाल्कन्स टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई हैं।

रुतुराज ने बनाया रिकार्ड, लिस्ट ए क्रिकेट में नंबर वन औसत वाले बल्लेबाज बने

मुम्बई

युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने भारत ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ पहले ही मैच में शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस शतकीय पारी के साथ ही रुतुराज लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे अधिक औसत वाले विश्वक के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली भी इस मामले में उनसे कहीं पीछें हैं। गौरतलब है कि लिस्ट ए प्रारुप उन सभी घरेलू 40 से 60 ओवर के मैचों, अंतरराष्ट्रीय एक दिवसीय मुकाबलों और अंतरराष्ट्रीय ए टीमों के बीच खेले गए मैचों की जानकारी देत है। इस प्रारुप में रुतुराज गायकवाड़ छाये हुए हैं। 100 लिस्ट ए मैचों की 96 पारियों में उनके नाम 59.32 की औसत से कुल 5161 रन हैं। इस दौरान उनके नाम 20 शतक और 19 अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 220 रन नाबाद रहा है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि वह कितने निरंतर और प्रभावी बल्लेबाज हैं। इससे वह विराट से भी आगे निकल गये हैं। विराट का लिस्ट ए क्रिकेट में औसत 57.91 है। विराट ने अपने करियर (2006 से अब तक) में 347 लिस्ट ए मैच खेलते हुए 334 पारियों में 16447 रन बनाए हैं, जिसमें 59 शतक और 86 अर्धशतक शामिल हैं। आंकड़ों में भले ही कोहली के रन और शतक कहीं अधिक हों पर औसत की आती है तो गायकवाड़ ने उन्हें पछाड़ दिया है। वहीं तेंदुलकर, जिनके नाम कई रिकार्ड हैं, वे इस विशिष्ट औसत सूची के शीर्ष 5 में भी शामिल नहीं हैं, जिससे पता चलता है कि गायकवाड़ की उपलब्धि की बड़ी है। दुनिया के अन्य दिग्गज बल्लेबाज भी इस सूची में उनसे काफी पीछे हैं। रुतुराज के बाद दूसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जबकि तीसरे नंबर पर आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज माइकल बेवन का नाम आता है। बेवन ने 1989 से 2006 के बीच 427 मैचों की 385 पारियों में 57.86 की शानदार औसत से 15103 रन बनाए थे, जिसमें 13 शतक और 116 अर्धशतक शामिल थे। चौथे पायदान पर इंग्लैंड के सैम हेन हैं, जिन्होंने 2013 से 2023 के बीच कुल 64 मैचों की 62 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 57.76 की औसत से 3004 रन बनाए और 10 शतक जड़े।

फिलीपींस में एवीसी महिला कप

फिलीपींस में एवीसी महिला कप में भाग लेती हुई चीनी ताइपे और उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी।

बांग्लादेश ने 21 साल बाद आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच जीता

ढ़ाका

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने मेहमान आस्ट्रेलियाई टीम को यहां खेले गये पहले ही एकदिवीसीय क्रिकेट मैच में 86 रनों से हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। इस प्रकार बांग्लादेश टीम ने एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय में 21 साल बाद आस्ट्रेलियाई टीम पर जीत हासिल की है। इससे पहले उसे अंतिम बार जीत साल 2005 में मिली थी। बारिश की बाधा के बीच ही मेजबान बांग्लादेश टीम ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला डकवर्थ लुइस नियम से जीता। इस प्रकार ये जीत बांग्लादेश क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी जीत साबित हुई है। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने कई साल से आस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार के सिलसिले को तोड़ दिया।

गौरतब है कि आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच अब तक खेले गए 23 एकदिवसीय मुकाबलों में यह बांग्लादेश की अब तक की दूसरी जीत है। इससे पहले, 2005 में कार्डिफ में नेटवेस्ट ट्राफी के दौरान बांग्लादेश ने आस्ट्रेलिया को हराया था। इस मुकाबले में आस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान जोश इंग्लिस ने टास जीतकर । बांग्लादेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 284 रन बनाए। आस्ट्रेलिया की ओर से नैथन एलिस ने 3 विकेट जबकि लियाम स्काट और मैट रेनशा ने 2-2 विकेट लिए।

इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रियाई टीम 42.2 ओवर में 9 विकेट खोकर सिर्फ 191 रन ही बना सके। इसके बाद बारिश ने खेल रोक दिया, और डीएलएस नियम के तहत बांग्लादेश को 86 रनों से विजयी घोषित कर दिया गया।

चार साल बाद टेनिस कोर्ट पर लौटीं सेरेना, जीत के साथ की शानदार वापसी

लंदन

टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने लगभग चार वर्ष बाद पेशेवर टेनिस में वापसी करते हुए क्वींस क्लब ग्रास कोर्ट प्रतियोगिता में मंगलवार को युगल मुकाबले में यादगार जीत दर्ज की। अमेरिकी स्टार ने कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ मिलकर अपना पहला मुकाबला जीता।

सेरेना और म्बोको की जोड़ी ने तीसरी वरीयता प्राप्त निकोल मेलिचार-मार्टिनेज और एरिन राउटलिफ़ की जोड़ी को 7-6 (2), 6-2 से हराया। यह मुकाबला वर्ष 2022 के अमेरिकी ओपन के बाद सेरेना का पहला पेशेवर मैच था। मैच के दौरान सेरेना ने 120 मील प्रति घंटे तक की रफ्तार से सर्विस की और कई दमदार विनर शाट लगाए। मुकाबले का अंत भी उन्होंने अपने अंदाज़ में किया—दो ऐस और एक शानदार सर्विस विनर के साथ।

जीत के बाद सेरेना ने कोर्ट पर कहा, यह बहुत मजेदार था। विक्टोरिया के साथ खेलकर मुझे बहुत आनंद आया। हमने पहले कभी साथ नहीं खेला, लेकिन कोर्ट पर सब कुछ बहुत स्वाभाविक लगा। हालांकि, बाद में प्रेस वार्ता में उन्होंने अपने प्रदर्शन को लेकर विनम्रता दिखाई। उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में खुद को सी माइनस अंक दिए, लेकिन साथ ही कहा कि चार साल बाद सीधे घास के कोर्ट पर लौटना आसान नहीं होता और कुल मिलाकर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा।

सेरेना ने कहा, मुझे यहां खेलने का मौका पहले कभी नहीं मिला, क्योंकि यहाँ हमेशा पुरुष प्रतियोगिता होती थी। इतने प्रतिष्ठित स्थान पर खेलना बेहद खास अनुभव रहा। अपनी युवा जोड़ीदार विक्टोरिया म्बोको से प्रभावित सेरेना ने कहा, मुझे लगा वह बहुत शानदार तरीके से मूव कर रही थीं। एक बैकहैंड शाट पर तो मैं खुद हैरान रह गई। सेरेना ने कहा, फिलहाल मैं एक-एक दिन आगे बढ़ रही हूँ। निर्णय लेने के लिए अभी थोड़ा समय है।

सेरेना की वापसी इसलिए भी खास रही, क्योंकि विपक्षी टीम बेहद मजबूत थी। एरिन राउटलिफ़ दो बार अमेरिकी ओपन युगल चैंपियन रह चुकी हैं, जबकि निकोल मेलिचार-मार्टिनेज़ विंबलडन और अमेरिकी ओपन युगल फाइनल तक पहुंच चुकी हैं। सेरेना के खेल में कुछ जगह पुरानी लय की कमी दिखी, लेकिन कई मौकों पर उन्होंने साबित किया कि उनमें अभी भी शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता मौजूद है। क्वींस क्लब में दर्शकों ने भी उनका जोरदार स्वागत किया। एंडी मरे एरिना में सेरेना को दिन की सबसे बड़ी तालियां मिलीं। इससे पहले दर्शक ब्रिटेन की एमा राडुकानू और केटी बोल्टर के मुकाबले भी देख चुके थे। सेरेना पहली बार क्वींस क्लब में उतरीं। यह वही प्रतिष्ठित स्थल है, जहां वर्षों तक केवल पुरुष प्रतियोगिताएँ आयोजित होती थीं और महिलाओं की प्रतियोगिता 2025 में दोबारा शुरू हुई। दर्शक दीर्घा में उनकी मित्र और स्कीइंग स्टार लिंडसे वान भी मौजूद थीं। उनकी दोनों बेटियाँ—ओलंपिया और अदीरा—भी मैच देखने पहुंचीं। अदीरा के लिए यह पहली बार था जब उन्होंने अपनी माँ को खेलते देखा।

अब सेरेना अगले सप्ताह जर्मनी में होने वाले बर्लिन ओपन में भी युगल मुकाबला खेलेंगी। हालांकि उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह 29 जून से शुरू होने वाले विंबलडन में हिस्सा लेंगी या नहीं। सेरेना विलियम्स अपने करियर में 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीत चुकी हैं, जिनमें सात विंबलडन खिताब शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीते हैं।